सड़क सुरक्षा नीति में योगदान देंगे गुरु जंभेश्वर विवि के इंजीनियर

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षक इंजीनियर नवदीप मोर सड़क सुरक्षा की नीति में अपना योगदान देंगे। उन्हें केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआइ), मोर्थ द्वारा रोड सेफ्टी ऑडिटर बनाया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अवनीश वर्मा ने विभाग व शिक्षक को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

इंजीनियर नवदीप मोर। ● स्वयं

जीजेयू के कुलपति ने बताया कि देश की जीडीपी का तीन प्रतिशत सड़क हादसे में बर्बाद हो रहा है जो कि एक चिंता का विषय है। बढ़ते शहरीकरण तथा डिमांड के कारण सड़कों की लंबाई के साथ सड़क हादसे भी बढ़ रहे हैं। भारत में मिश्रित ट्रैफिक सिस्टम तथा रोड सेफ्टी के प्रति कम जागरूकता के कारण यह समस्या अधिक गंभीर है। इंजीनियरिंग डिजाइन के अलावा अलग-अलग विभागों तथा नागरिकों के सहयोग से इस समस्या को कम किया जा सकता है। इसी कारण मोर्थ का ध्यान भी सड़क सुरक्षा की ओर अधिक है। वहीं एनएचएआइ ने हर नए तथा एक्जिस्टिंग नेशनल हाईवे में रोड सेफ्टी ऑडिट को आवश्यक कर दिया है।

नवदीप ने परीक्षा में 85 फीसद अंक हासिल किए

शिक्षक नवदीप मोर ने बताया कि यह कोर्स 26 अक्टूबर से शुरू होकर 11 नवंबर 2020 तक चला। इसके तीन चरण से पहले चरण में ऑनलाइन क्लासेस थी। दूसरे चरण में प्रेजेंटेशन तथा अलग-अलग फील्ड की रिपोर्ट बनानी थी। तीसरे चरण में ऑनलाइन एग्जाम देना था। रोड सेफ्टी ऑडिटर बनने के लिए कम से कम 75 प्रतिशत अंक अनिवार्य थे। उन्होंने 85 प्रतिशत अंक लेकर यह सर्टिफिकेट हासिल किया। उन्होंने बताया कि वह रोड सेफ्टी की फील्ड में चार वर्षों से काम कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के 25 बच्चों को रोड सेफ्टी इंटर्नशिप भी करा चुके हैं। यह अनुभव उनके इस कोर्स को पूरा करने में भी काम आया।

भविष्य में सिविल विभाग को मिल सकेंगे प्रोजेक्ट

विभागाध्यक्ष प्रो. आशा गुप्ता ने इसके भविष्य में होने वाले फायदे बताए। उन्होंने बताया कि भविष्य में इससे सिविल विभाग को आने वाले समय में एनएचएआइ, मोर्थ तथा पीडब्ल्यूडी से प्रोजेक्ट मिलने शुरू हो जाएंगे। भविष्य में विद्यार्थियों को भी रोड सेफ्टी की फील्ड में काफी कुछ सीखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट ने 2017 में पहला रोड सेफ्टी ऑडिटर कोर्स शुरू किया था। इसके बाद वर्ष 2019 तक भारत में 324 ऑडिटरों को सर्टिफाइड किया गया था। उन्होंने नवदीप को बधाई देते हुए कहा कि इस सूची में आकर उन्होंने विभाग का और विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। हरियाणा के तीनों तकनीकी विश्वविद्यालय में ऑडिटर बनने वाले वह पहले शिक्षक हैं।

जीजेयू के नवदीप सड़क सुरक्षा की नीति में देंगे योगदान

हादसे रोकने को नवदीप मोर को सीएसआईआर-सीआरआरआई व मोर्थ ने बनाया रोड सेफ्टी ऑडिटर

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षक इंजीनियर नवदीप मोर सड़क सुरक्षा की नीति में अपना योगदान देंगे। उन्हें सीआरआरआई, मॉर्थ द्वारा रोड सेफ्टी ऑडिटर बनाया गया है।

जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा ने विभाग व शिक्षक को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि देश की जीडीपी का तीन प्रतिशत सड़क हादसे में बर्बाद हो रहा है जोकि एक चिंता का विषय है। बढ़ते शहरीकरण और डिमांड के कारण सड़कों की लंबाई के साथ सड़क हादसे भी बढ़ रहे हैं। भारत में मिश्रित ट्रैफिक सिस्टम तथा रोड सेफ्टी के प्रति कम जागरूकता के कारण यह समस्या अधिक गंभीर है। इंजीनियरिंग डिजाइन के अलावा अलग-अलग विभागों तथा नागरिकों के सहयोग से इस समस्या को कम किया जा सकता है। इसी कारण मॉर्थ का ध्यान भी सड़क सुरक्षा की ओर अधिक है व एनएचएआई ने हर नए तथा एक्जिस्टिंग नेशनल हाईवे में रोड सेफ्टी ऑडिट को आवश्यक कर दिया है। विभागाध्यक्ष प्रो. आशा गुप्ता ने इसके भविष्य में होने वाले फायदे बताए। उन्होंने बताया कि भविष्य में इससे सिविल विभाग को आने वाले समय में एनएचएआई, मॉर्थ तथा पीडब्ल्यूडी विभाग से प्रोजेक्ट मिलने शुरू हो जाएंगे। जिससे भविष्य में विद्यार्थियों को भी रोड सेफ्टी की फील्ड में काफी कुछ सीखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट ने 2017 में पहला रोड सेफ्टी ऑडिटर कोर्स शुरू किया था। इसके बाद वर्ष 2019 तक भारत में 324 ऑडिटरों को सर्टिफाइड किया गया था। हरियाणा की तीनों तकनीकी विश्वविद्यालय में ऑडिटर बनने वाले वह पहले शिक्षक हैं। विभाग के शिक्षक नवदीप मोर ने बताया कि यह कोर्स 26 अक्टूबर से शुरू होकर 11 नवंबर 2020 तक चला। इसके तीन चरण से पहले चरण में ऑनलाइन क्लासेस थी। दूसरे चरण में प्रेजेंटेशन तथा अलग-अलग फील्ड की रिपोर्ट बनानी थी।

इंजीनियर नवदीप मोर नोडल सेंटर के कोआर्डिनेटर नियुक्त

आईआईआरएस इसरो के साथ काम करेगा गुजवि

- इसरो ने गुजवि को बनाया नोडल सेंटर
- वैज्ञानिक करवाएंगे कोर्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय आईआईआरएस, इसरो, देहरादून के साथ भी काम करेगा। इसरो ने विश्वविद्यालय को अपना नोडल सेंटर बना दिया है। विवि सिविल इंजीनियरिंग विभाग के इंजीनियर नवदीप मोर नोडल सेंटर के कोर्डिनेटर नियुक्त किए गए हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया की आईआईआरएस, इसरो आउटरीच नेटवर्क सेंटर के तहत आधुनिक तकनीकों पर एक सप्ताह से 14 सप्ताह तक के कोर्स करवाती है। इन ऑनलाइन कोर्सेज में सेटेलाइट टेक्नोलॉजी, मून, मार्स, यूनिवर्स, इत्यादि के बारे में बताया जाता है। इसके साथ सुदूर संवेदन व भौगोलिक सूचना प्रणाली तकनीक तथा उसके अनुप्रयोग को बहुत गहराई से पढ़ाया जाता है। ये सभी कोर्स आईआईआरएस के वैज्ञानिकों तथा विषय विशेषज्ञों द्वारा पढ़ाए जाते हैं। भौगोलिक तकनीक से जुड़े होने के कारण यह सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों के लिए भी अत्यंत उपयोगी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इसे विभाग की बड़ी उपलब्धि बताया। विभाग की अध्यक्षा प्रो. आशा गुप्ता ने बताया कि विभाग को नोडल सेंटर बनाने की अनुमति मिलने के बाद विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कराया गया।

27 से शुरू होगा आउटरीच प्रोग्राम

इंजीनियर नवदीप मोर ने बताया कि 27 जुलाई से एक सप्ताह का कार्यक्रम इसरो आउटरीच प्रोग्राम -जिओ स्पेशियल इनपुटस इनेबलिंग मास्टर प्लान फामूर्लेषन फिर शुरू होगा। बेसिक ऑफ रिमोट सेंसिंग ज्योग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम एंड ग्लोबल नेवीगेशन सेटेलाइट सिस्टम 17 अगस्त से बीस नवंबर, रिमोट सेंसिंग एंड डिजिटल इमेज एनालिसिस 17 अगस्त से 11 सितंबर तक कार्यक्रम चलेगा। इन सभी कार्यक्रमों को करने के लिए गुजविप्रौवि नोडल सेंटर का चयन कर सकते हैं।

जीजेयू बना इसरो का नोडल सेंटर, ऑनलाइन होंगे 4 कोर्स के आवेदन, घर बैठे यूट्यूब से ले सकेंगे क्लास

ऑनलाइन कोर्सेज में सेटेलाइट टेक्नोलॉजी, मून, मार्स, यूनिवर्स की दी जाती है जानकारी, 27 से शुरू होगा कोर्स

भास्कर न्यूज | हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने जिले के साथ साथ प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त की है। जीजेयू अब आईआईआरएस, इसरो, देहरादून के साथ काम करेगा। इसरो ने विश्वविद्यालय को अपना नोडल सेंटर बना दिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि के लिए सिविल इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षकों व समस्त विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी है। विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के इंजीनियर नवदीप मोर नोडल सेंटर का कॉर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि आईआईआरएस, इसरो आउटरीच नेटवर्क सेंटर के तहत आधुनिक तकनीकों पर एक सप्ताह से 14 सप्ताह तक के कोर्स करवाती है। इन ऑनलाइन कोर्सेज में सेटेलाइट टेक्नोलॉजी, मून, मार्स, यूनिवर्स के बारे में बताया जाता है। इसके साथ सुदूर संवेदन व भौगोलिक सूचना प्रणाली तकनीक तथा उसके अनुप्रयोग को बहुत गहराई से पढ़ाया जाता है। ये सभी कोर्स आईआईआरएस के वैज्ञानिकों तथा विषय विशेषज्ञों द्वारा पढ़ाए जाते हैं। भौगोलिक तकनीक से जुड़े होने के कारण यह सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों के लिए भी अत्यंत उपयोगी होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों में शोध कौशल तथा तकनीकी कौशल के विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। विभाग की अध्यक्षा प्रो. आशा गुप्ता ने बताया कि विभाग को नोडल सेंटर बनाने की अनुमति मिलने के बाद विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करवाया गया। इस कार्यशाला में 109 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इन सभी कार्यक्रमों की विशेषता बताते हुए उन्होंने बताया कि देश का कोई भी शिक्षक, विद्यार्थी व इंडस्ट्री पर्सन इन कार्यक्रमों को करने के लिए गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार को अपना नोडल सेंटर चुन सकता है।

यूट्यूब पर लॉगइन कर देख सकेंगे वीडियो, अटेंडेंस होगी ऑटोअप्रुव, 70 फीसद अटेंडेंस है अनिवार्य

इस कोर्स में एडमिशन लेने वाले प्रतिभागी यूट्यूब लाइव वीडियो और अपनी आईडी पासवर्ड से लॉगइन करके वीडियो देख सकते हैं। जिसके बाद प्रतिभागियों की अटेंडेंस आईआईआरएस के सॉफ्टवेयर द्वारा स्वयं ही अपडेट की जाती है। सभी कोर्सेज के लिए सत्तर प्रतिशत अटेंडेंस अनिवार्य है।

कोर्स समाप्त होने के बाद इसरो एक ऑनलाइन परीक्षा लेती है, जिसमें कम से कम चालीस प्रतिशत अंक लेने वाले प्रतिभागियों को इसरो द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाता है। इसके लिए संस्थान तथा नोडल कोऑर्डिनेटर को भी इसरो द्वारा अलग से प्रमाण पत्र दिया जाता है। इंजीनियर नवदीप मोर ने बताया कि 27 जुलाई से एक सप्ताह का कार्यक्रम इसरो आउटरीच प्रोग्राम -जिओ स्पेशियली इनपुटस इनेबलिंग मास्टर प्लान फार्मूलेशन फिर शुरू होगा। बेसिक ऑफ रिमोट सेंसिंग ज्योग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम एंड ग्लोबल नेवीगेशन सेटेलाइट सिस्टम 17 अगस्त से बीस नवंबर, रिमोट सेंसिंग एंड डिजिटल इमेज एनालिसिस 17 अगस्त से 11 सितंबर तक कार्यक्रम चलेगा। इन सभी कार्यक्रमों को करने के लिए गुजविप्रौवि नोडल सेंटर का चयन कर सकते हैं। कार्यक्रम में पंजीकरण के लिए प्रतिभागी ईलर्निंग.आईआईआरएस.जीओवी.इन/एजुसेटरेजिस्ट्रेशन/ स्टूडेंट पर जा सकते हैं।

सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में शोध व रोजगार की अपार संभावनाएंः प्रो. आशा

कार्यक्रम में उपस्थित प्रो. आशा गुप्ता एवं अन्य।

हिसार | गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा स्ट्रक्चरल हेल्थ मॉनिटरिंग ऑफ डेमेज एंड ट्यूनल्स तथा स्मार्ट सिटीज विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। एमिल इंस्ट्रूमेंटेशन एंड टेक्नोलॉजी चंडीगढ़ के सर्विस इंजीनियर अमन कुमार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विवि के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में हुए इस व्याख्यान कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. आशा गुप्ता ने की। इंजी. अमन कुमार ने प्रतिभागियों को सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र की चुनौतियों व मुद्दों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में शोध व रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग की ढांचागत समस्याओं और उनके समाधान की जानकारी प्रतिभागियों को दी। इस विशेष व्याख्यान का उद्देश्य विद्यार्थियों को सिविल इंजीनियरिंग क्षेत्र की नवीनतम तकनीकों तथा संभावनाओं से अवगत कराना था। विभाग के शिक्षक इंजीनियर नवदीप मोर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया । इस व्याख्यान कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर विभाग के शिक्षक नवीन कुमार व अजय के अतिरिक्त विभाग मौजूद रहे।

गुजवि में पांच दिवसीय शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षकों के सौजन्य से पांच दिवसीय शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कोरोनाकाल में ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग को और प्रासंगिक बनाने के लिए 'एडवांस्ड ट्रेंडस, टेक्नीक्स एंड प्रेक्टिसिज इन सिविल इंजीनियरिंग' विषय पर हुए इस कार्यक्रम के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्षा प्रो. आशा गुप्ता ने की। कार्यक्रम का संचालन विभाग के शिक्षक नवदीप मोर तथा नवीन कुमार ने किया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज हमें विद्यार्थियों तथा प्रतिभागियों से ऑनलाइन प्लेटफोर्म के माध्यम से जुड़कर शिक्षण प्रशिक्षण गतिविधियों को जारी रखना जरूरी हो गया है। उन्होंने कार्यक्रम की जरूरत तथा इसके फायदे बताए। उन्होंने कहा कि आज के शोध के क्षेत्र में नई-नई तकनीक आ गई हैं। विद्यार्थियों को अपनी-अपनी क्षेत्र की नवीनतम ट्रेंडस का पता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह हुए दो दिवसीय वेबिनार भी अत्यंत सफल रहा तथा इस पांच दिवसीय कार्यक्रम के लिए भी उन्होंने शुभकामनाएं दी।

विभगाध्यक्षा प्रो. आशा गुप्ता ने इस अवसर पर कार्यक्रम की विशेषताएं बताई तथा आज के समय में ऐसे कोर्स सत्र से पहले करवाकर विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को नए सेमेस्टर में होने वाली ऑनलाइन कक्षाओं का अनुभव देना भी है। उन्होंने पांच दिवसीय कार्यक्रम के बारे में बताया कि इस कार्यक्रम में कुल 11 तकनीकी सत्र हुए, जिनको विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा सम्बोधित किया गया। प्रो. आशा गुप्ता ने बताया कि विभाग विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल बढ़ाने का हर संभव प्रयास कर रहा है। विभाग द्वारा आगे भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। विभाग के शिक्षक नवदीप मोर ने बताया कि इस कार्यक्रम में 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया।